SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 04 (Jan-Mar 2001)
TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना

त्रैमासिक

2001

सहस्राब्दी अंक *चार*

जनवरी-मार्च

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
परमानन्द श्रीवास्तव

सह-सम्पादक
अरविन्द त्रिपाठी

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

यह अंक 5

भारतेन्दु और भारत की उन्नति : **नामवर सिंह** 7

धरोहर

भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ? : **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र** 12

भारतेन्दु : डेढ़ सौ साल बाद : **शंभुनाथ** 16
एक और भारतेन्दु समग्र ? : **धीरेन्द्र नाथ सिंह** 26

सौ साल बाद रैल्फ फॉक्स

विचार, विचारधारा और रैल्फ फॉक्स : **सुरेश सलिल** 43

काव्य-सृजन परिदृश्य

दिनेश कुमार शुक्ल की दस कविताएँ 52
उदय प्रकाश की चार कविताएँ 62

रिक्त स्थानों की कविता : **मंगलेश डबराल** 65
कठिन समय में कविता : **विनोद दास** 69
कवि का पुनर्जन्म : **परमानन्द श्रीवास्तव** 75
कविता का आज : **अरविन्द त्रिपाठी** 81
एक घर होना चाहिए अपना : **लीलाधर मंडलोई** 98
कवि-यथार्थ का शुक्ल पक्ष : **जयप्रकाश** 103

भाषान्तर

भारतीय अंग्रेजी लेखन में भारतीयता : **भालचंद्र नेमाड़े** (अनु. सूर्यनारायण रणसुभे) 111

आलोचना-परिदृश्य

लेखन में वैचारिक पक्षधरता और रचनात्मक कौशल : **हृषीकेश** 124
साहित्य, समाज और जनतन्त्र : **प्रफुल्ल कोलख्यान** 137
वैश्वीकरण, विज्ञान और बाजार की राजनीति : **जितेन्द्र भाटिया** 147
कुँवर नारायण के काव्य-चिन्तन के बहाने कुछ सवाल : **अरुण कमल** 153
एक फकीर जननायक : पीर मुहम्मद मूनिस : **कर्मेन्दु शिशिर** 156
पानी जो पत्थर के भीतर जाता है (हिन्दी साहित्य और स्त्रीवाद) : **अनामिका** 161